भारत का राजपत्र Gazette of India

नसाधारता EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-चण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 599] नई विस्ली, बुधवार, नवम्बर 15, 1989/कार्तिक 24, 1911 No. 599] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 15, 1989/KARTIKA 24, 1911

इस भाग में भिल्म पृष्ट संख्यावी जाती है जिससे कि यह जलग संकालन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मलालय

अधिमुचना

नर्ट दिल्ली, 9 नवम्बर, 1989

मा. का. नि. 1008(अ)—दिल्ली नगर निगम अधिनियम 1957 (1957 का 66) की धारा 347-क की उप-धारा (1), (2) और (5) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा सम्पूर्ण दिल्ली के संबंध में उक्त अधिनियम की धारा 343 और 347 ख के अंतर्गन अधिमानित अपीलों के निर्णय के लिए एक अपीलेट

(1)

अधिकरण गठित करती है और श्री एम० ए० खां को इस अधिकरण का पीठासीन अधि-कारी नियंका करती है।

> [एफ. म० यू० 14016/3/89-विल्ली] अणोक नाथ, संयुक्त मचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 9th November, 1989

G.S.R. 1008(E), --In exercise of the Power's conferred by the sub-section (1), (2) and (5) of section 347A of the Delhi Mumorpal Corporation Act, 1957 (66 of 1957), the Central Government hereby constitutes an Appellate Tribunal for deciding appeals preferred under sections 343 and 347B of the said Act in respect of the whole of Delhi and appoints Shri M. A. Khan as the Presiding Officer of the said Tribunal.

[F. No. U. 14016/3/89-Delhi] ASHOKA NATH, Jt. Seey.